YMCA University of Science & Technology

(NAAC Accredited Grade 'A' State University)

Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 17 & 18.03.2017

DAINIK BHASKAR

नई तकनीक का क्रियान्वयन जितना अहम, उतना ही उपकरणों की गुणवत्ता भी महत्वपूर्ण : केके मित्रा

'मैकेनिकल इंजीनियरिंग में रुझान व उन्नति' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ गुरूवार से हुआ

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा हरियाणा स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में 'मैकेनिकल इंजीनियरिंग में रुझान व उन्नति' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ गुरूवार से हुआ। सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों से 100 से ज्यादा प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में अमेरिकन सोसाइटी ऑफ हीटिंग, रेफ्रिजरेटिंग एवं एयर कंडिशनिंग इंजीनियर्स (इंडियन चैप्टर) के अध्यक्ष व लॉयड इंसुलेशन्स के उपाध्यक्ष केके मित्रा मुख्य अतिथि थे। सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय एक महीने में दूसरा राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर रहा है। जो अकादमिक गतिविधियों के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वाईएमसीए विश्वविद्यालय ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में एक अलग पहचान बनाई है। विश्वविद्यालय के भूतपूर्व छात्र आज देश की लगभग सभी प्रमुख एयर कंडिशनिंग कंपनियों के शीर्ष पदों पर कार्य कर रहे हैं। कुलपति ने कहा कि इंजीनियरिंग की सबसे पुरानी व व्यापक शाखा के रूप मैकेनिकल इंजीनियरिंग का समाज के विकास में अहम योगदान है। इसलिए, मैकेनिकल इंजीनियर्स को नए अनुसंधान कार्यों के माध्यम से देश व समाज की प्रगति में अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

फरीदाबाद. वाईएमसीए कालेज में राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान स्मारिका का विमोचन करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार व अन्य।

नई तकनीक से कराया गया अवगत

उद्घाटन सत्र के मुख्य वक्ता केके मित्रा ने अमेरिकन सोसाइटी ऑफ हीटिंग, रेफ्रिजरेटिंग एवं एयर कंडिशनिंग इंजीनियर्स द्वारा किए जा रहे कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग में नई तकनीकी प्रयोगों का क्रियान्वयन जितना अहम है। उतना ही इंजीनियरिंग उपकरणों की गुणवत्ता भी महत्वपूर्ण है। औद्योगिक क्षेत्र से अपने अनुभव साझा करते हुए मित्रा ने कहा कि भवनों में मानव सुविधाएं काफी हद तक हीटिंग और कूलिंग उपकरणों के डिजाइन पर निर्भर करती है। जिनका ऊर्जा दक्ष होना जरूरी है। इस संदर्भ में उन्होंने हरित व दक्ष भवन निर्माण के लिए थर्मल इंसुलेशन प्रणाली पर विस्तृत चर्चा की। भारतीय तेल निगम, फरीदाबाद के उप महाप्रबंधक डॉ. कानन ने औद्योगिक व अकादमिक साझेदारी की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पेट्रोलियम उद्योग एक ऐसा क्षेत्र है। जहां मांग कभी खत्म नहीं होती। इस क्षेत्र में औद्योगिक रखरखाव एक बड़ी चुनौती रहता है। इस क्षेत्र में चुनौतियों का सामना करने और समाधान खोलने के लिए भावी इंजीनियर्स को तैयार करने की आवश्यकता है। विकास व अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने की जरूरत है।

इससे पूर्व, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डॉ. एम.एल. अग्रवाल ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। सम्मेलन के विषय से अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान कुल छह आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किए जाएंगे। विभिन्न समानांतर तकनीकी सत्रों के दौरान 75 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाने हैं। इस अवसर पर संकायाध्यक्ष डॉ. संदीप ग्रोवर, डॉ. सी. के. नागपाल उपस्थित थे। उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ. राजीव साहा व डॉ. निखिल देव ने किया।

3डी प्रिटिंग व विनिर्माण पहलुओं पर प्रस्तुत की नवीनतम जानकारी

आईआईटी, दिल्ली से आए प्रो. पी.एम. पांडेय ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग में 3डी प्रिटिंग व विनिर्माण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर नवीनतम जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया अभियान की सफलता के लिए जरूरी है कि देश के विनिर्माण क्षेत्र को मजबूत बनाया जाए।

NEWS CLIPPING: 17 & 18.03.2017

PUNJAB KESARI

वाईएमसी ने मैकेनिकल क्षेत्र में बनाई अलग पहचान

फरीदाबाद, 16 मार्च (पंकेस) : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय फरीदाबाद के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा हरियाणा स्वर्ण जयंती वर्षोत्सव उपलक्ष्य में 'मैकेनिकल इंजीनियरिंग में रुझान व उन्नति' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन वीरवार को प्रारंभ हो गया। सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों से 100 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में अमरीकन सोसाइटी ऑफ हीटिंग, रेफ्रिजरेटिंग एवं एयर कंडिशनिंग इंजीनियर्स (इंडियन चैप्टर) के अध्यक्ष व लॉयड इंसुलेशन्स के उपाध्यक्ष केके मित्रा मुख्य अतिथि रहे। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय एक महीने में दूसरा राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर रहा है जो अकादमिक गतिविधियों के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि वाईएमसीए विश्वविद्यालय ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में एक अलग पहचान बनाई है। विश्वविद्यालय के भूतपूर्व विद्यार्थी आज देश की लगभग सभी प्रमुख एयर कंडिशनिंग कंपनियों के शीर्ष पदों पर कार्य कर रहे हैं। उद्घाटन सत्र के मुख्य वक्ता रहे केके मित्रा ने अमरीकन सोसाइटी ऑफ हीटिंग, रेफ्रिजरेटिंग एवं एयर कंडिशनिंग इंजीनियर्स द्वारा किए जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि इंजीनियरिंग में नई तकनीकी प्रयोगों का क्रियान्वयन जितना अहम है।

उतना ही इंजीनियरिंग उपकरणों की गुणवत्ता भी महत्वपूर्ण है। औद्योगिक क्षेत्र से अपने अनुभव सांझे करते हुए मित्रा ने कहा कि भवनों में मानव सुविधाएं काफी हद तक हीटिंग और कूलिंग उपकरणों के डिजाइन पर निर्भर करती है, जिनका ऊर्जा दक्ष होना जरूरी है। इस संदर्भ में उन्होंने हरित व दक्ष भवन निर्माण के लिए थर्मल इंसुलेशन प्रणाली पर विस्तृत चर्चा की। डॉ. कानन ने औद्योगिक व अकादमिक सांझेदारी की पर जोर दिया।

पंजाब केसरी ई-पेपर Fri, 17 March 2017
epaper.punjabkesari.in//c/17597660

NEWS CLIPPING: 17 & 18.03.2017

HINDUSTAN

इंजीनियरिंग के छात्रों ने तैयार किया वाहन, 45 डिग्री की ऊंचाई तक आसानी से चढ़ने में सक्षम

आपदा में राहत देगा छात्रों का वाहन

अविष्कार

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

प्राकृतिक आपदा में राहत पहुंचाने के लिए वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग विंग के छात्रों ने अनोखा वाहन तैयार किया है। जो आपदा में संकट मोचक का काम करेगा। इसमें पांच लोग बैठकर कहीं भी 45 डिग्री की ऊंचाई तक आसानी से चढ़ सकेंगे। इसमें पहली बार वेरियबल स्टेयरिंग फेयरबेल का प्रयोग किया गया है। अभी तक प्रत्येक गाड़ी में पावर स्टेयरिंग का प्रयोग किया जाता है। इसमें टायर और इंजन को छोड़ सभी उपकरण विश्वविद्यालय छात्रों ने तैयार किए हैं।

वाईएमसीए विश्वविद्यालय में गुरुवार को मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से शुरू हुए दो दिवसीय सेमिनार में छात्रों ने अपना यह प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया। इसमें शोध के पांच पेपर प्रस्तुत किए। इसमें विश्वविद्यालय के छात्रों का एक शोध है। विश्वविद्यालय के 25 छात्रों ने इस वाहन को तैयार किया है। इस टीम का नेतृत्व मैकेनिकल इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष के छात्र साहिल डिमला कर रहे हैं। इस वाहन का नाम छात्रों ने ऑल ट्रेन व्हीकल रखा गया है। इसे तैयार करने में काफी सावधानियां बरती हैं। इसमें कार पूरी तरह आटोमेटिक है। इसमें वाहन की गति के अनुसार स्वत: गेयर बदल जाएगा। इस मौके पर मुख्य अतिथि अमेरिकन सोसाइटी ऑफ हीटिंग, रेफ्रीजरेटिंग एवं एयर कंडिशनिंग इंजीनियर्स (इंडियन चैप्टर) के अध्यक्ष व लॉयड इंसुलेशन्स के उपाध्यक्ष केके मित्रा मुख्य अतिथि रहे।

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में छात्रों ने प्राकृतिक आपदा के लिए बनाया वाहन। • हिन्दुस्तान

पहली बार वेरियबल स्टेयरिंग फेयरबेल का प्रयोग

विश्वविद्यालय के छात्र राकेश ने वेरियबल स्टेयरिंग फेयरबेल को तैयार किया है। अभी वाहनों में पावर स्टेयरिंग का प्रयोग किया जाता था। जिससे स्पीड बढ़ाते ही टर्निंग रेडियशन तीन मीटर तक बढ़ जाएगी। जिससे गाड़ी को मोड़ने में सहुलियत होगी। अभी तक वाहनों में 2.3 मीटर टर्निंग रेडियन होता था। जिससे तेज रफ्तार में कार मोड़ने में ज्यादा स्टेयरिंग घुमाना पड़ता था। छात्रों का कहना था कि पद्धति को पेटेंट भी कराया जाएगा। जिससे दूसरे लोग इसका प्रयोग नहीं कर सके।

गाड़ी के चारों चक्के में लगा होगा सस्पेंशन

कार में चारों टायर में सस्पेंशन लगा होगा। जिससे वह कीचड़ आदि किसी भी जगह नहीं फसेंगा। अभी तक सिर्फ दो टायरों में लगाया जाता है। जिससे कीचड़ में गाड़ी एक तरफ उठ जाती है। इससे लगने से गाड़ी उबड़-खाबड़ सभी जगहों पर चल सकेगी। इसमें प्रयोग होने वाले सस्पेंशन भी विश्वविद्यालय के छात्रों ने तैयार किया है।

सुरक्षा का रखा गया है विशेष ध्यान

वाहन को तैयार करने में सुरक्षा पर विशेष ध्यान रखा गया है। इसमें पांच प्वाइंट सेफ्टी बेल्ट का प्रयोग किया गया है। इसमें एक साथ पांच लोग बैठ सकते हैं। कार अनियंत्रित होती है, तो इंजन बंद करने के लिए कील स्विच का प्रयोग किया है। यह स्विच वाहन सीट के पास और बाहर विशेष प्रकार की स्विच लगी है। जिससे कार को आसानी से बंद किया जा सकता है।

वाईएमसीए में सेमिनार आयोजित

मैकेनिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नई खोज को लेकर गुरुवार से दो दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया। जिसमें हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड सहित छह राज्यों के करीब 100 से ज्यादा प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें 75 शोध पत्र का चयन किया गया है। यह सभी शोध थमल इंजीनियरिंग, आपदा, प्रोडक्शन और उद्योग पर आधारित हैं।

NEWS CLIPPING: 17 & 18.03.2017

DAINIK JAGRAN

राष्ट्र की प्रगति में इंजीनियर्स निभाएं जिम्मेदारी : प्रो. दिनेश

वाइएमसीए यूनिवर्सिटी में शुरू हुए दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में जुटे विशेषज्ञ

जासं, फरीदाबाद : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से हरियाणा स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में 'मैकेनिकल इंजीनियरिंग में रुझान व उन्नति' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन बृहस्पतिवार को शुभारंभ हो गया। सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों से 100 से ज्यादा प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में अमेरिकन सोसाइटी ऑफ हीटिंग, रेफ्रिजरेटिंग एवं एयर कंडिशनिंग इंजीनियर्स (इंडियन चैप्टर) के अध्यक्ष व लॉयड इंसुलेशंस के उपाध्यक्ष केके मित्रा मुख्य अतिथि रहे। सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। सम्मेलन के अन्य विशिष्ट अतिथियों में भारतीय तेल निगम, फरीदाबाद के उप महाप्रबंधक डॉ. कानन सी, आईआईटी, दिल्ली से प्रो. पीएम पांडेय तथा डीईई पाइपिंग सिस्टम इंडस्ट्रीज, पृथला से डीडीएन वर्मा शामिल थे। इस अवसर पर संकाय अध्यक्ष डॉ. संदीप ग्रोवर तथा डॉ. सी. के नागपाल भी उपस्थित थे। उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ. राजीव साहा व डॉ. निखिल देव ने किया। अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय एक महीने में दूसरा राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर रहा है, जो अकादमिक गतिविधियों के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि वाईएमसीए विश्वविद्यालय ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में एक अलग पहचान बनाई है। विश्वविद्यालय के भूतपूर्व विद्यार्थी आज देश की लगभग सभी प्रमुख एयर कंडिशनिंग कंपनियों के शीर्ष पदों पर कार्य कर रहे हैं। कुलपति ने कहा कि इंजीनियरिंग की सबसे पुरानी व व्यापक शाखा के रूप मैकेनिकल इंजीनियरिंग का समाज के विकास में अहम योगदान है। इसलिए मैकेनिकल इंजीनियर्स को नए अनुसंधान कार्यों के माध्यम से देश व समाज की प्रगति में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। इससे पूर्व, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डॉ. एमएल अग्रवाल ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा सम्मेलन के विषय से अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान कुल छह आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किये जाएंगे और विभिन्न समानांतर तकनीकी सत्रों के दौरान 75 शोध पत्र प्रस्तुत किए जायेंगे। सभी शोध पत्र सम्मेलन के चार मुख्य विषयों थर्मल इंजीनियरिंग, डिजाइन व विश्लेषण, उत्पादन व विनिर्माण इंजीनियरिंग तथा औद्योगिक इंजीनियरिंग पर आधारित रहेंगे। सम्मेलन के दौरान कुलपति व अन्य अतिथियों द्वारा सम्मेलन की स्मारिका का विमोचन किया गया।

राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान स्मारिका का विमोचन करते हुए कुलपति डॉ. दिनेश कुमार व केके मित्रा, प्रोफेसर पीएम पांडेय, डॉ. एमएल अग्रवाल, डीडीएन वर्मा • जागरण

NEWS CLIPPING: 17 & 18.03.2017

NAVBHARAT TIMES

3डी प्रिंटिंग की जानकारी दी

■ **वस, फरीदाबाद**

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से हरियाणा स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में रूझान व उन्नति विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार गुरुवार से शुरू हो गया। दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन वाइस चांसलर प्रफेसर दिनेश कुमार ने किया। इसमें देश के विभिन्न राज्यों से 100 से ज्यादा प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

सेमिनार के उद्घाटन सत्र में अमेरिकन सोसाइटी ऑफ हीटिंग, रेफ्रिजरेटिंग एवं एयर कंडिशनिंग इंजीनियर्स (इंडियन चैप्टर) के अध्यक्ष व लॉयड इंसुलेशंस के उपाध्यक्ष केके मित्रा मुख्य अतिथि रहे। डॉ.कानन ने औद्योगिक व अकादमिक साझेदारी की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि पेट्रोलियम उद्योग एक ऐसा क्षेत्र है, जहां मांग कभी खत्म नहीं होती। इस क्षेत्र में औद्योगिक रखरखाव बड़ी चुनौती रहता है।

इस क्षेत्र में चुनौतियों का सामना करने और समाधान खोलने के लिए भावी इंजीनियर्स को तैयार करने की आवश्यकता है तथा विकास व अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने की जरूरत है। सत्र को प्रफेसर पीएम पांडेय ने भी संबोधित किया तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग में 3डी प्रिंटिंग व विनिर्माण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर जानकारी प्रस्तुत की।

NEWS CLIPPING: 17 & 18.03.2017

DAINIK TRIBUNE

राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

वाईएमसीए में जुटे देशभर के इंजीनियर

फरीदाबाद में बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते कुलपति प्रो. दिनेश कुमार। -शिव

फरीदाबाद, 16 मार्च (हप्र)

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मेकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से हरियाणा स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन बृहस्पतिवार को शुरू हो गया। 'मेकेनिकल इंजीनियरिंग में रुझान व उन्नति' विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों से 100 से ज्यादा प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में अमेरिकन सोसाइटी ऑफ हीटिंग, रेफ्रिजरेटिंग एवं एयर कंडिशनिंग इंजीनियर्स (इंडियन चैप्टर) के अध्यक्ष व लॉयड इंसुलेशन्स के उपाध्यक्ष केके मित्रा मुख्य अतिथि रहे।

सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। सम्मेलन के अन्य विशिष्ट अतिथियों में भारतीय तेल निगम, फरीदाबाद के उप महाप्रबंधक डॉ.कानन सीए, आईआईटीए दिल्ली से प्रो. पीएम पांडेय और डीईई पाइपिंग सिस्टम इंडस्ट्रीज, पृथला से डीडीएन वर्मा शामिल रहे। इस अवसर पर संकाय अध्यक्ष डॉ. संदीप ग्रोवर और डॉ.सीके नागपाल भी उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ. राजीव साहा व डॉ. निखिल देव ने किया।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय एक महीने में दूसरा राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर रहा है। उन्होंने कहा कि वाईएमसीए विश्वविद्यालय ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में एक अलग पहचान बनाई है। विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थी आज देश की लगभग सभी प्रमुख एयर कंडिशनिंग कंपनियों के शीर्ष पदों पर कार्य कर रहे हैं। कुलपति ने कहा कि इंजीनियरिंग की सबसे पुरानी व व्यापक शाखा के रूप मेकेनिकल इंजीनियरिंग का समाज के विकास में अहम योगदान है। इसलिए मेकेनिकल इंजीनियर्स को नये अनुसंधान कार्यों के माध्यम से देश व समाज की प्रगति में अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

उद्घाटन सत्र के मुख्य वक्ता रहे केके मित्रा ने अमेरिकन सोसाइटी ऑफ हीटिंग, रेफ्रिजरेटिंग एवं एयर कंडिशनिंग इंजीनियर्स द्वारा किये जा रहे कार्यों का उल्लेख किया।

दैनिक ट्रिब्यून Fri, 17 March 2017 epaper.dainiktribuneonline.cc

NEWS CLIPPING: 17 & 18.03.2017

DAINIK JAGRAN

मेक इन इंडिया में हुआ मैकेनिकल इंजीनियर्स की भूमिका पर मंथन

वाईएमसीए यूनिर्विसटी में मैकेनिकल इंजीनियरिंग पर हो रहे शिखर सम्मेलन में व्याख्यान देते हुए विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. दिनेश कुमार • जागरण

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद: वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित शिखर सम्मेलन में शुक्रवार को मेक इन इंडिया में मैकेनिकल इंजीनियर्स की भूमिका पर मंथन किया गया। सम्मेलन में 100 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और विभिन्न तकनीकी सत्रों के दौरान 68 शोध पत्र प्रस्तुत किये गए। शुक्रवार को सम्मेलन का समापन हो गया।

सम्मेलन के समापन सत्र में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर डॉ. एसपी सिंह मुख्य अतिथि रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री के 'मेक इन इंडिया' अभियान को सफल बनाने में मैकेनिकल इंजीनियर्स की भूमिका अहम है। उन्होंने कहा कि मैकेनिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नई तकनीक एवं अनुसंधान का लाभ तभी लिया जा सकता है, जब नई तकनीक के लिए कुशल मानव संसाधन भी उपलब्ध हो, इसके मद्देनजर उद्योग और शिक्षा क्षेत्र को एकीकृत दृष्टिकोण अपनाना होगा।

डॉ. एसपी सिंह ने नैनो मैटिरियल में मल्टीस्केल मॉडलिंग को लेकर व्याख्यान दिया। वहीं डॉ. नवीन कुमार गर्ग ने 'अंशाकन और माप क्षमता' विषय व्याख्यान देकर द्रव्यमान मापन की विभिन्न विधियों की जानकारी दी। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के चेयरमैन डॉ. राजीव साहा ने बताया कि दो दिवसीय सम्मेलन में सात आमंत्रित व्याख्यान किये गए, जिनमें पांच औद्योगिक और दो अकादमिक विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। तकनीकी सत्रों के दौरान 75 शोध पत्रों में से 68 शोध पत्रों को सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया। यह सभी शोध पत्र सम्मेलन के चार मुख्य विषयों थर्मल इंजीनियरिंग, डिजाइन व विश्लेषण, उत्पादन व विनिर्माण इंजीनियरिंग व औद्योगिक इंजीनियरिंग पर आधारित रहे।

NEWS CLIPPING: 17 & 18.03.2017

DAINIK BHASKAR

'मेक इन इंडिया' अभियान में मैकेनिकल इंजीनियर्स निभाएंगे अहम भूमिका : दिनेश

मैकेनिकल इंजीनियरिंग में रुझान व उन्नति विषय पर हुआ राष्ट्रीय सम्मेलन

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा हरियाणा स्वर्ण जयंती वर्षोत्सव उपलक्ष्य में 'मैकेनिकल इंजीनियरिंग में रुझान व उन्नति' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शुक्रवार को संपन्न हो गया। सम्मेलन में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नए अनुसंधान चर्चा के केंद्र बिंदु रहे, जिसमें 'मेक इन इंडिया' की सफलता के लिए विनिर्माण क्षेत्र को प्रोत्साहन देने और औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने के लिए परस्पर औद्योगिक-अकादमिक सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया गया। सम्मेलन में 100 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। विभिन्न तकनीकी सत्रों के दौरान 68 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

मैकेनिकल इंजीनियर्स की अहम भूमिका

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने 'मेक इन इंडिया' अभियान को सफल बनाने में मैकेनिकल इंजीनियर्स की भूमिका को अहम बताया। उन्होंने कहा कि मैकेनिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नई तकनीक एवं अनुसंधान का लाभ तभी लिया जा सकता है। जब नई तकनीक के लिए कुशल मानव संसाधन भी उपलब्ध हो। इसके मद्देनजर उद्योग और शिक्षा क्षेत्र को एकीकृत दृष्टिकोण अपनाते हुए एक-दूसरे की अपेक्षाओं को पूरा करना होगा। ताकि भावी मानव संसाधन को बेहतर अवसरों के लिए तैयार किया जा सके।

समापन सत्र में डॉ. एसपी सिंह ने नैनो मैटिरियल में मल्टीस्केल मॉडलिंग व सिमुलेशन को लेकर व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. नवीन कुमार गर्ग ने 'अंशाकन और माप क्षमता' विषय व्याख्यान प्रस्तुत किया। द्रव्यमान मापन की विभिन्न विधियों की जानकारी दी। सत्र के अंत में डॉ. राजीव साहा ने सम्मेलन की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि दो दिवसीय सम्मेलन में सात आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किए गए। इनमें पांच औद्योगिक और दो अकादमिक विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। विभिन्न समानांतर तकनीकी सत्रों के दौरान प्राप्त हुए सभी 75 शोध पत्रों में से 68 शोध पत्रों को सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया। ये सभी शोध पत्र सम्मेलन के चार मुख्य विषयों थर्मल इंजीनियरिंग, डिजाइन व विश्लेषण, उत्पादन व विनिर्माण इंजीनियरिंग और औद्योगिक इंजीनियरिंग पर आधारित थे। अंत में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डॉ. निखिल देव ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

फरीदाबाद. वाईएमसीए कॉलेज में डॉ. एसपी सिंह को स्मृति चिह्न प्रदान करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार।

NEWS CLIPPING: 17 & 18.03.2017

HINDUSTAN

68 शोध पत्रों पर गहन चर्चा हुई

कार्यक्रम

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

सम्मेलन

- वाईएमसीए में चल रहा दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न
- सम्मेलन में छह राज्यों के करीब सौ प्रतिभागियों ने भाग लिया

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से चल रही दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शुक्रवार को समाप्त हो गया। इस दौरान मैकेनिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नई खोज पर चर्चा की गई। इसमें हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, उत्तराखंड और झारखंड के करीब सौ प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस दौरान विभिन्न तकनीकी सत्रों में 68 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। इस दौरान दिल्ली भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के विभागध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. एसपी सिंह मुख्य अतिथि रहे। जबकि इसकी अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की।

उन्होंने बताया कि ह्ामेक इन इंडियाह्ल अभियान को सफल बनाने में मैकेनिकल इंजीनियर्स की भूमिका को अहम बताया। इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नई तकनीक एवं अनुसंधान का लाभ तब ही मिल सकता है, जब नई तकनीक के लिए कुशल मानव संसाधन भी उपलब्ध हो। इसके मद्देनजर उद्योग और शिक्षा क्षेत्र को एक-दूसरे से जोड़ने पर चर्चा की गई।

इस मौके पर नैनो मैटिरियल में मल्टीस्केल मॉडलिंग और सिमुलेशन को लेकर व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. नवीन कुमार गर्ग ने ह्ाअंशाकन और माप क्षमताह्ल विषय व्याख्यान प्रस्तुत किया। जबकि डॉ. राजीव साहा ने सम्मेलन की कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि दो दिवसीय सम्मेलन में सात आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किए गए, जिनमें पांच औद्योगिक तथा दो अकादमिक विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया।

उन्होंने बताया कि तकनीकी सत्रों के दौरान 75 शोध पत्रों में से 68 शोध पत्रों को सम्मेलन में प्रस्तुत किए गए। ये सभी शोध पत्र सम्मेलन के चार मुख्य विषयों थर्मल इंजीनियरिंग, डिजाइन एवं विश्लेषण, उत्पादन और विनिर्माण इंजीनियरिंग तथा औद्योगिक इंजीनियरिंग पर आधारित थे।

इस मौके पर वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली (राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला) के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. नवीन कुमार गर्ग, संकायाध्यक्ष डॉ. संदीप ग्रोवर, डॉ. सीके नागपाल, सत्र संचालन डॉ. राजीव साहा और डॉ. निखिल देव आदि मौजूद रहे।

NEWS CLIPPING: 17 & 18.03.2017

NAVBHARAT TIMES

सेमिनार का समापन

वस, फरीदाबाद : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी में मिकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से चल रहा सेमिनार शनिवार को संपन्न हो गया। इसमें मिकेनिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में हो रहे अनुसंधानों पर चर्चा हुई, जिसमें मेक इन इंडिया की सफलता के लिए विनिर्माण क्षेत्र को प्रोत्साहन देने तथा औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने के लिए परस्पर औद्योगिक-अकादमिक सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया गया। सम्मेलन में 100 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। वाइस चांसलर प्रो. दिनेश कुमार ने मेक इन इंडिया अभियान को सफल बनाने में मिकेनिकल इंजीनियर्स की भूमिका को अहम बताया। समापन सत्र में डॉ. एस.पी. सिंह ने नैनो मटीरियल में मल्टीस्केल मॉडलिंग व सिमुलेशन पर व्याख्यान दिया।